

V. 815. ἔλιπον ἀγκάλαι: σι, „i. e. σι ad sequentem versum pertinet.“ GOELLER.

V. 818. ψυχᾶ, τί φῶ;

V. 835. εἰς οὐσίαν λέκτρων.

V. 856. αἴματι σῷ πελάσαι.

V. 882. οὐδέν μὲν επίσχη, et proxime ἀποστήσει λόγου.

V. 883. πρῶτον πυθέσθαι. Confirmat hoc meam de Musgravii M̄storum lectione suspicionem.

V. 888. ὁμογενῆς ἐμὸς.

V. 900. „In margine, ait Victor., ἦπον οὐπω.“ GOELLER.

V. 917. ἐλθόντα δ' ἐκεῖσε, superscripto ἐλθών.

V. 920. ἐν ταυτῷ τέγει.

V. 921. σιγῇ δ' ἐτεκτήναντ.

V. 923. εἰς δ' ἄγγος.

V. 930. χορῆς ἄγγος.

V. 933. ἡ περ ἦν Ἐρινύων. Aldus enim ἡπέρ.